



Daksh



Renu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120322601

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/09/1998 :	जन्म तिथि	: 18/03/1996
मंगलवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 13:35:00 :	जन्म समय	: 07:00:00 घंटे
घटी 18:49:03 :	जन्म समय(घटी)	: 01:19:01 घटी
India :	देश	: India
Gurgaon :	स्थान	: Gurgaon
28:27:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:27:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:03:22 :	सूर्योदय	: 06:28:23
18:35:32 :	सूर्यास्त	: 18:31:59
23:50:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:21
वृश्चिक :	लग्न	: मीन
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
मीन :	राशि	: कुम्भ
गुरु :	राशि-स्वामी	: शनि
रेवती :	नक्षत्र	: शतभिषा
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
1 :	चरण	: 3
गण्ड :	योग	: साध्य
वणिज :	करण	: विष्टि
दे-देवांशु :	जन्म नामाक्षर	: सी-सीमा
कन्या :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन
विप्र :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
गज :	योनि	: अश्व
देव :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
सर्प :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
बुध 15वर्ष 11मा 25दि
शुक्र

03/09/2021

03/09/2041

शुक्र	03/01/2025
सूर्य	03/01/2026
चन्द्र	04/09/2027
मंगल	03/11/2028
राहु	04/11/2031
गुरु	05/07/2034
शनि	03/09/2037
बुध	04/07/2040
केतु	03/09/2041

अंश

28:49:08
21:38:29
17:27:39
17:59:53
06:35:18
00:14:55
08:03:09
09:18:52
07:37:21
07:37:21
15:36:58
05:50:22
11:36:27

राशि

वृश्चि
सिंह
मीन
कर्क
सिंह
मीन व
सिंह
मेष व
सिंह व
कुंभ व
मक व
मक व
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो व

राशि

मीन
मीन
कुंभ
मीन
कुंभ
धनु
मेष
मीन
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

13:53:25
03:56:02
15:36:38
01:03:43
24:21:11
20:30:25
19:17:27
03:42:02
23:22:20
23:22:20
09:41:59
03:27:40
09:16:02

विंशोत्तरी

राहु 5वर्ष 11मा 3दि
शनि

19/02/2018

19/02/2037

शनि	22/02/2021
बुध	02/11/2023
केतु	11/12/2024
शुक्र	11/02/2028
सूर्य	23/01/2029
चन्द्र	24/08/2030
मंगल	03/10/2031
राहु	09/08/2034
गुरु	19/02/2037

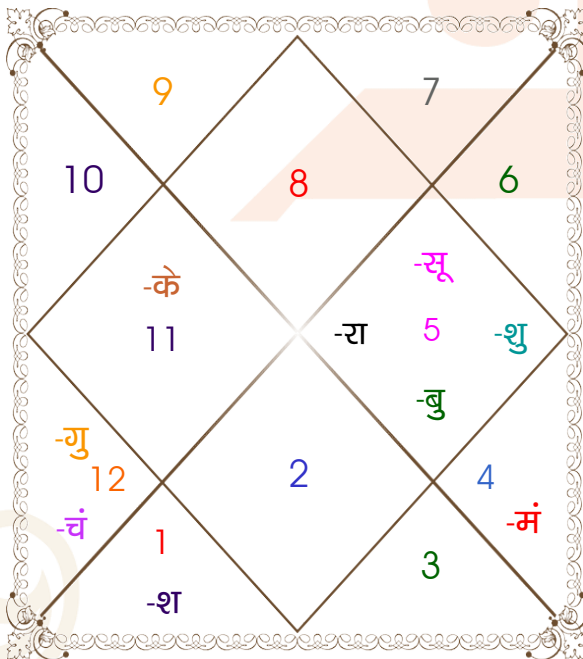
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

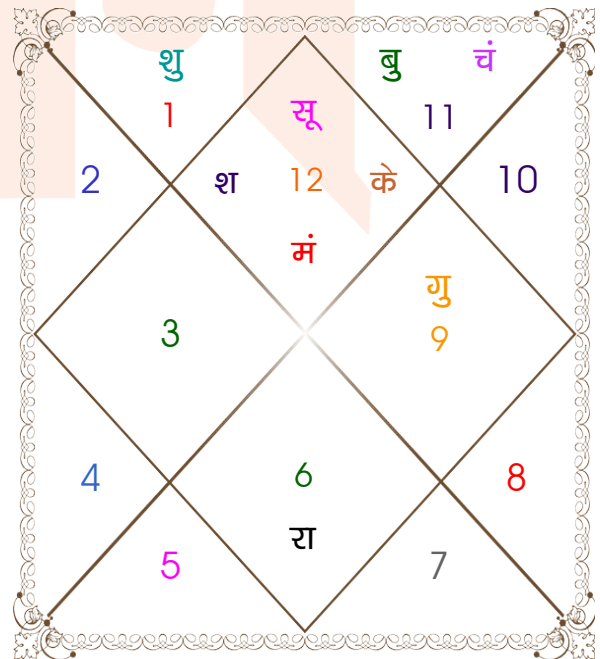
राहु : स्पष्ट

23:50:11 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:21

लग्न-चलित



लग्न-चलित



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा

9312257830

अष्टकूट गुण सारिणी

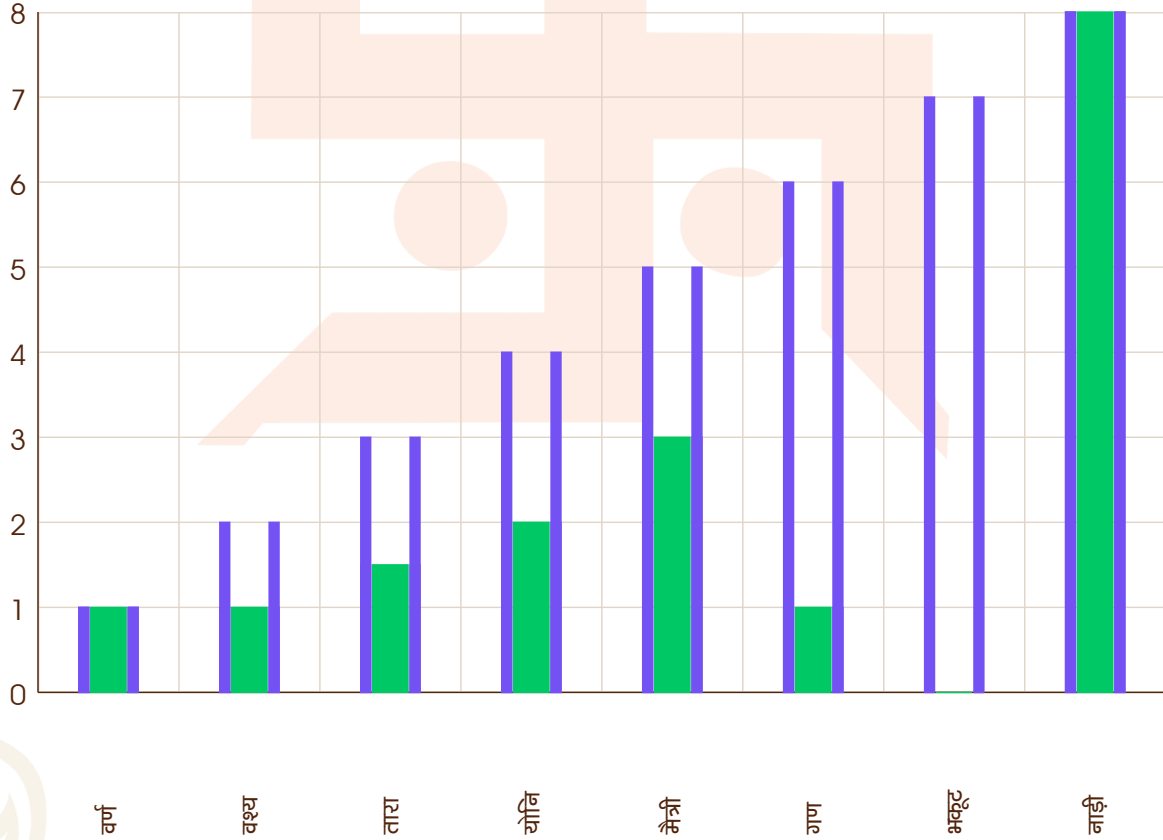
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

17.50

कुल : 17.5 / 36



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा

9312257830

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Daksh का वर्ग सर्प है तथा Renu का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Daksh और Renu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Daksh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Renu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Daksh की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Daksh तथा Renu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Daksh का वर्ण ब्राह्मण तथा Renu का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Renu सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेगी। Renu एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमरदारी करती रहेगी।

वश्य

Daksh का वश्य जलचर है एवं Renu का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Renu अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Daksh उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Daksh की तारा क्षेम तथा Renu की तारा वध है। Renu की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Daksh एवं Renu दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Renu अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Daksh की योनि गज है तथा Renu की योनि अश्व है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी

विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Daksh एवं Renu दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Daksh का गण देव तथा Renu का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Renu निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो घर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Renu की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Daksh से Renu की राशि द्वादश भाव में स्थित है Renu से Daksh की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Daksh परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Renu का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Renu की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Renu तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में

व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Daksh की नाड़ी अन्त्य है तथा Renu की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Daksh की अन्त्य नाड़ी तथा Renu की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Daksh की राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Renu की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। जल एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Daksh की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Renu की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा आकर्षण भी विद्यमान होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। यद्यपि यदा कदा एक दूसरे के प्रति इनकी उदासीनता का भाव भी रहेगा परन्तु सामान्यतया स्थिति शुभ ही रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर कमियों की उपेक्षा तथा गुणों की भी प्रशंसा करेंगे जिससे जीवन में सुख शांति का भाव रहेगा।

Daksh और Renu की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष अशुभ माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में अनावश्यक कटुता तथा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के प्रति उपेक्षा एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा एवं एक दूसरे के अस्तित्व एवं समान को पूर्ण रूप से स्वीकार नहीं करेंगे। परन्तु यदि Daksh और Renu सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो स्थिति में अनुकूलता आ सकती है।

Daksh का वश्य जलचर तथा Renu का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में सुख शांति की न्यूनता रहेगी।

Daksh का वर्ण ब्राह्मण तथा Renu का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी भिन्नता होगी। Daksh की प्रवृत्ति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्यों को करने में रहेगी जबकि Renu किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी।

धन

Daksh और Renu दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Daksh और Renu दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Daksh की प्रवृत्ति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Daksh को ऐसी प्रवृत्तियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Daksh का जन्म अन्त्य तथा Renu का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Daksh को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Daksh हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Daksh को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति के दृष्टि से Daksh एवं Renu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Renu का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Renu के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Renu को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Renu सामान्य रूप से सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Daksh और Renu बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Daksh और Renu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Renu के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Renu किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Renu के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे

लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Renu को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Renu को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Renu के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Renu के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Daksh के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Daksh अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Daksh के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Daksh के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।